पाठ 10. चिड़िया का संदेश

पाठ की भूमिका

इस पाठ का उद्देश्य बच्चों में रचनात्मक विचार संबंधी कौशल विकसित करना है ताकि वे चीज़ों व घटनाओं को देखने और करने का अभिनव तरीका अपना सकें। आरसी प्रसाद सिंह द्वारा लिखित यह कविता साथ मिल-जुलकर रहने का संदेश देती है।

पाठ का सार

कवि कहते हैं कि वन में जितने भी पंछी हैं, सभी एक-दूसरे की परवाह करते हैं। वे सब काम मिल-जुलकर करते हैं। आसमान उनका घर है और वे जहाँ चाहते हैं, उड़कर चले जाते हैं। दिनभर काम करने के बाद वे पेड़ों पर लौट आते हैं और वहीं थककर सो जाते हैं। उनके मन में कोई लोभ या लालच नहीं होता। जितना ज़रूरी होता है उतना लेकर वे बाकी दूसरों के लिए छोड़ देते हैं। चिड़िया यही संदेश हम सबको सुनाना चाहती है कि जब तक जियो, मिल-जुलकर और सुख से रहो।

अध्यापन संकेत

- **मूल पाठ के लिए संकेत**

  कविता का लय में वाचन करें। बच्चों से उसका अनुसरण करने को कहें। बीच-बीच में उनसे आसपास दिखने वाली चिड़ियों जैसे—गौरैया, कबूतर, मैना, तोता आदि के बारे में चर्चा करें। पालतू चिड़ियों के बारे में पूछें व बताएँ। कविता से मिलने वाले संदेश के बारे में बताएँ।

- **अभ्यास प्रश्नों के लिए संकेत**
  - **मौखिक प्रश्नों, पहेलियों, पठित परिच्छेद** व **पाठ आधारित प्रश्नों** के अध्यापन संकेत हेतु **पृष्ठ संख्या 23** देखें।
  - **भाषा आधारित प्रश्नों** का उद्देश्य व्याकरण एवं रचना पक्ष को सुदृढ़ करना है।
  - मिलते-जुलते अर्थ वाले शब्दों से बच्चे परिचित हैं। इस अभ्यास में कुछ नये समानार्थी शब्दों से उनका परिचय होगा। कुछ अन्य उदाहरण भी दिए जा सकते हैं।
  - एकवचन और बहुवचन की परिभाषा देने से बचें। गिनती के आधार पर **एक** का बोध कराने वाले और **अनेक** का बोध कराने वाले शब्द-रूपों की ओर ध्यान आकृष्ट करें।
  - ध्यान दें कि बच्चे छोटे-छोटे वाक्य बनाएँ। गलत वाक्य-रचना होने पर उसे शुद्ध करें।
- **क्रियाकलाप के लिए संकेत**
  - बच्चों से एकल व सामूहिक गान करवाया जा सकता है। जीव-जंतुओं के प्रति स्नेह व प्यार दिखाना हमारी नैतिक ज़िम्मेदारी बनती है। इस बारे में विस्तृत चर्चा करें।